Title: Regarding misbehaviour of a teacher with a student of MBBS belonging to SC community in Meerut Medical College and Hospital on 20 September, 2002.

श्री रामचन्द्र पासवान (रोसेड़ा) : अध्यक्ष महोदय, मैं एक महत्वपूर्ण विाय की ओर आपके माध्यम से सदन का ध्यान आकृट करना चाहता हूं। आजादी के 55 साल बीत जाने के बावजूद भी दलितों के ऊपर अत्याचार हो रहा हैं। यह मामला मेरठ मेडिकल अस्पताल से संबंधित 20.9.2002 का है। यहां अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों के साथ दुर्व्यवहार किया गया । केन्द्र की सरकार और प्रदेश की सरकार दलितों के उत्थान की बात कह रही है और हम देख रहे हैं कि अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। इन छात्रों को दी जानी वाली छात्रवृत्तियां बन्द करने का काम किया जा रहा है। उनके ऊपर हो रहे एक अन्याय का मामला मैं आपके माध्यम से सदन में उठाना चाहता हूं। मेरठ में 20.9.2002 को मौखिक परीक्षा के दौरान वहां के प्रो. श्री रुकमा इदनानी ने सही जवाब को गलत करार देते हुए अनुसूचित जाति के एमबीबीएस के अंतिम वर्ा के छात्र, श्री किरणपाल सिंह, 1995 के बैच, को जाति सूचक शब्दों से अभद्र व्यवहार किया। मैं आपके माध्यम से सदन से मांग करता हूं कि ऐसे पदाधिकारियों के खिलाफ कड़ी और दंडात्मक कारवाई सुनिश्चित की जाए। गरीब छात्रों को उचित न्याय प्रदान किया जाए। भविय में दुर्व्यवहार न होने का आश्वासन दिया जाए।